बी.ए. हिन्दी (प्र0) पत्र - प्रथम
(खण्ड - प्रथम)

डॉ0 संतोष कुमार

हिन्दी साहित्य का इतिहास / आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

सर्वप्रथम हिन्दी भाषा संक्षिप्त परिचय

हिन्दी विश्व की लगभग 3,000 भाषाओं में से एक है। यह एक समृद्ध भाषा है जिसका विस्तार भारत के अलावे अन्य कई देशों में है। जहाँ आसानी से हिन्दी समझी और बोली जाती है। भारत में 4 (चार) भाषा - परिवार मिलते हैं।

भाषा परिवार		भारत में बोलने वालों का प्रतिशत
01. भारोपीय	—	73%
02. द्रविड	—	25%
03. आस्ट्रिक	—	1.3 %
04. चीनी - तिब्बती	-	0.7 %

भाषा - परिवार के आधार पर हिन्दी भारोपीय परिवार की भाषा है। हिन्दी भाषा भारोपीय के भारतीय - ईरानी शाखा के भारतीय आर्य उपशाखा से विकसित एक भाषा है।

भारोपीय / भारत - यूरोपीय

⇓

भारतीय ईरानी (शाखा)

⇓

भारतीय आर्य (उपशाखा)

⇓

संस्कृत

⇓

पाली ⇒ प्राकृत ⇒ अपभ्रंश ⇒ प्राचीन हिन्दी या प्रारंभिक हिन्दी

~~प्राचीन~~

भारतीय आर्यभाषा का काल विभाजन

01 प्राचीन भारतीय आर्यभाषा

प्रयोग काल - 1500 ई०पू० - 500 ई०पू०

उदाहरण - वैदिक संस्कृत व (1500 ई०पू० - 1000 ई०पू०)
लौकिक संस्कृत (1000 ई०पू० - 500 ई०पू०)

02 मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा

प्रयोग काल - 500 ई०पू० ~~से~~ - 1000 ई०

उदाहरण - पालि, प्राकृत, अपभ्रंश (500 ई० - 1000 ई०)
(500 ई०पू० - 1 ली ई०) ↳ (1 ली ई० - 500 ई०)
और अवहट्ट (900 ई० - 1100 ई०)

03 आधुनिक भारतीय आर्यभाषा

प्रयोग काल - 1000 ई० - अब तक

उदाहरण - हिन्दी और
हिन्दीतर भाषाएँ
(बांग्ला, उड़िया, असमिया,
मराठी, गुजराती, पंजाबी,
सिंधी आदि)

हिन्दी

- प्राचीन हिन्दी (1100 ई० - 1400 ई०)
- मध्यकालीन हिन्दी (1400 ई० - 1850 ई०)
- आधुनिक हिन्दी (1850 ई० - अब तक)

हिन्दी की आदि जननी संस्कृत है। संस्कृत पालि, प्राकृत से होते हुए अपभ्रंश तक पहुँचती है। फिर अपभ्रंश/अवहट्ट से होते हुए प्रारंभिक हिन्दी का रूप लेती है।

विशुद्ध: हिन्दी भाषा के इतिहास का आरंभ अपभ्रंश से माना जाता है।